JAI BHAWANI SHIKSHAN PRASARAK MANDAL'S

ARTS & SCIENCE COLLEGE SHIVAJINAGAR, GADHI

जय भवानी शिक्षण प्रसारक मंडळ, गेवराई संचलित (कला व विज्ञान महाविद्यालय शिवाजीनगर, गढी ता. गेवराई जि. बीड)

प्रा.डॉ. संतोषकुमार यशवंतकर

रस की विशेषताएँ

Hindi Wale Sir

- रस वेद्यान्तर स्पर्श शून्य है.
- रस स्वप्रकाशानन्द तथा चिन्मय है.

Hindi Wale Sir Hindi Wale Sir Hindi Wale Sir

- रस को ब्रह्मानन्द सहोदर माना गया है. (साहित्य दर्पण-आचार्य विश्वनाथ)
- रसानुभूति अलौकिक चमत्कार के समान है.
- रस को कुछ आचार्य सुख-दुखात्मक मानते है.
- रस मूलतः आस्वाद रूप है, आस्वाद्य पदार्थ नहीं है, फिर भी व्यवहार में 'रस का आस्वाद किया जाता है' ऐसा प्रयोग गौण रूप से प्रचलित है. इसलिए रस अपने रूप से जनित है.

'रस' की परिभाषा व अवयव

Hindi Wale Sir

- भरतमुनि ने नाट्यशास्त्र में रस सूत्र दिया है।

'विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पति'

Hindi Wale Sir Hindi Wale Sir Hindi

- अर्थात् विभाव, अनुभाव और व्यभिचारी भावों के संयोग से रस की निष्पत्ति होती है. इस रस सूत्र का विवेचन सर्वप्रथम आचार्य भरत मुनि ने अपने 'नाट्यशास्त्र' में किया.

1. जिव्हा रस
2. आध्यात्मिक रस
3. आयुर्वेद रस
4. काव्यरस

"सत्वोद्रेकादखण्ड स्वप्रकाशानंदचिन्मय: ।
वेद्यान्तरस्पर्शशून्यो ब्रम्हास्वादसहोदर: ॥
लोकोत्तरच्चमत्कार प्राण: कैश्चित्प्रमातृभि ।
स्वाकारवदभिन्नत्वे नायमास्वाद्यते रस: ॥"

१. रस अलौकिक है।

२. रस अखंड है।

३. रस अन्य ज्ञान से रहित है।

४. रस स्वप्रकाशानंद है।

५. रस लोकोत्तर चमत्कार है।

६. रस चिन्मय है।

७. रस ब्रम्हानंद सहोदर है।

८. रस वेदयांतर स्पर्श शून्य है।

९. रस अपने आकार से अभिन्न होता

इस व्हिडियों / PPT का उदेश्य केवल अध्यापन के लिए है, न कि प्रसिद्धी पाने के लिए। इसका समग्र श्रेय सभी महानुभवों को जाता है जिन-जिनकी सामग्री का उपयोग यह बनाने के लिए हुआ है। मैं उन समस्तजनों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हुँ जिनकी सामग्री का उपयोग यह   व्हिडियों / PPT के लिए हुआ है। यह मेरी कोई मौलिक उपलब्धी नहीं है और न ही कोई सृजनात्मकता। इस का उदेश्य केवल और केवल छात्रों तक पहुँचाना हैं। इससे किसीके दिल को प्रत्यक्ष या परोक्षरुप से कोई ठेस या आहत पहुँचती है तो मैं उसके लिए क्षमाप्रार्थी हुँ - आपका प्रा.डॉ. संतोषकुमार यशवंतकर

JAI BHAWANI SHIKSHAN PRASARAK MANDAL'S

ARTS & SCIENCE COLLEGE SHIVAJINAGAR, GADHI

जय भवानी शिक्षण प्रसारक मंडळ, गेवराई संचलित (कला व विज्ञान महाविद्यालय शिवाजीनगर, गढी ता. गेवराई जि. बीड)

प्रा.डॉ. संतोषकुमार यशवंतकर